ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या–01
दिनांक– शुक्रवार, 02 जनवरी, 2025

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेधशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 16.3 एवं 5.6 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 95.0 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 83.0 प्रतिशत, हवा की औसत गति 6.3 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पन 1.3 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 4.1 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से0मी0 की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 13.2 एवं दोपहर में 16.8 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मौसम शुष्क रहा।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(03–07 जनवरी, 2026)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 03–07 जनवरी, 2026 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- पूर्वानुमान अवधि के दौरान उत्तर बिहार के सभी जिलों में आसमान प्रायः साफ रहने की संभावना है तथा मौसम शुष्क बना रहेगा। 5–6 जनवरी में कोल्ड डे की स्थिति बन सकती है। सुबह में मध्यम स्तर का कुहासा छा सकता है, जबकि दिन चढ़ने के साथ मौसम सामान्यतः साफ रहने की संभावना है।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान 15 से 17 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान 7 से 9 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है।
- पूर्वानुमानित अवधि में औसतन 3–6 कि0मी0 प्रति घंटा की रफ्तार से पछिया हवा चल सकती है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 90 से 95 प्रतिशत तथा दोपहर में 40 से 50 प्रतिशत रहने की संभावना है।

• समसामयिक सुझाव

- आलू, मटर, टमाटर, धनिया, लहसुन एवं अन्य रबी फसलों में झुलसा रोग की नियमित निगरानी करें। इस रोग में पत्तियों के किनारे और सिरे से झुलसना शुरू होकर पूरा पौधा प्रभावित हो जाता है। लक्षण दिखाई देने पर डाइथेन एम–45 फफूंदनाशक दवा 2.5 ग्राम प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर 10 दिन के अंतराल पर 2–3 बार समान रूप से छिड़काव करें।
- नवंबर के प्रारंभ में बोई गई रबी मक्का की फसल (55–60 दिन अवस्था) में 50 किलोग्राम नत्रजन उर्वरक प्रति हेक्टेयर का प्रयोग कर मिट्टी चढ़ाएँ। मक्का में तना बेधक कीट की निगरानी करें। इसकी सूंडियाँ कोमल पत्तियाँ खाती हैं और तने में सुरंग बनाकर पौधे को नुकसान पहुँचाती हैं, जिससे मध्य कलिका मुरझाकर सूख जाती है। नियंत्रण हेतु फोरेट 10 जी या कार्बोफ्यूरान 3 जी के 7–8 दाने प्रति पौधा गाभे में दें। अधिक प्रकोप होने पर डेल्टामेथ्रिन 250–300 मि.ली. प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव करें।
- गेहूँ की फसल में 30–35 दिन की अवस्था पर, विशेष रूप से पहली सिंचाई के बाद, खरपतवारों की वृद्धि बहुत तेजी से होती है, जिससे फसल के पोषक तत्वों, नमी और प्रकाश पर प्रतिस्पर्धा बढ़ जाती है और उपज पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। इस समस्या के प्रभावी नियंत्रण के लिए सल्फोसल्फ्यूरॉन 33 ग्राम तथा मेटसल्फ्यूरॉन 20 ग्राम प्रति हेक्टेयर की मात्रा को 500 लीटर पानी में अच्छी तरह घोलकर खड़ी फसल पर समान रूप से छिड़काव करें। इसके अतिरिक्त, देर से बोई गई गेहूँ की फसल में 21–25 दिन की अवस्था पर पौधों की उचित वृद्धि एवं विकास सुनिश्चित करने के लिए 30 किलोग्राम नत्रजन प्रति हेक्टेयर की दर से ऊपर से खाद का प्रयोग करें, जिससे फसल मजबूत होगी और उत्पादन में वृद्धि होगी।
- मटर की फसल में चूर्णिल फफूंदी (पाउडरी मिल्ड्यू) एक प्रमुख रोग है, जिसकी नियमित निगरानी करना आवश्यक है। इस रोग के लक्षण के रूप में पत्तियों, तनों तथा फलियों की सतह पर सफेद चूर्ण जैसा आवरण दिखाई देता है, जिससे पौधों की वृद्धि प्रभावित होती है और उपज में कमी आ सकती है। रोग के प्रकोप को नियंत्रित करने के लिए समय पर उचित फफूंदनाशी दवाओं का प्रयोग करें। इसके लिए कैराथेन दवा 1 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी की दर से या सल्फेक्स 3 ग्राम प्रति लीटर पानी में घोलकर फसल पर अच्छी तरह छिड़काव करें, ताकि रोग का प्रभाव कम किया जा सके और फसल स्वस्थ बनी रहे।
- प्याज की 50–55 दिन पुरानी पौध को तैयार खेत में पंक्ति से पंक्ति 15 सेमी और पौधे से पौधे 10 सेमी दूरी पर रोपें। रोपाई अधिक गहराई में न करें। रोपाई से 10–15 दिन पहले 15–20 टन गोबर की खाद डालें। अंतिम जुताई के समय 60 किग्रा नत्रजन, 80 किग्रा फॉस्फोरस, 80 किग्रा पोटाश और 40 किग्रा सल्फर प्रति हेक्टेयर का प्रयोग करें।
- बैंगन की फसल में तना एवं फल छेदक कीट से बचाव के लिए संक्रमित तनों और फलों को इकट्ठा कर नष्ट करें। कीट की अधिकता होने पर स्पिनोसेड 48 ई.सी. 1 मि.ली. प्रति 4 लीटर पानी की दर से छिड़काव करें। छिड़काव घोल में गोंद 1 मि.ली. प्रति लीटर पानी अवश्य मिलाएँ। सब्जी फसलों में समय–समय पर निराई–गुड़ाई करें।
- तापमान में गिरावट के कारण ''दुधारू पशुओं के दूध उत्पादन में आई कमी को दूर करने के लिए हरे व सूखे चारे के साथ नियमित रूप से 50 ग्राम नमक, 50–100 ग्राम खनिज मिश्रण प्रति पशु तथा दाना खिलाएँ। बिछावन के लिए सूखी घास या राख का उपयोग करें।

आज का अधिकतम तापमानः 19.2 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 2.0 डिग्री सेल्सियस कम	आज का न्यूनतम तापमानः 4.4 डग्री सेल्सियस, सामान्य से 5.2 डिग्री सेल्सियस कम

(डॉ0 ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी